

ब्यूज टुडे

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS)-2024 के लिए रोजगार-बेरोजगारी पर मुख्य संकेतक जारी किए गए

PLFS-2024 के तहत जनवरी 2024 से दिसंबर 2024 के दौरान कुल 6,982 गाँवों और 5,767 शहरी ब्लॉक्स का सर्वेक्षण किया गया।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के बारे में

➤ आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण की शुरुआत राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा 2017 में की गई थी। PLFS के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- ⊕ 'साप्ताहिक वर्तमान स्थिति' (CWS) के तहत शहरी क्षेत्रों में तीन महीने के कम समय अंतराल पर रोजगार और बेरोजगारी से जुड़े संकेतकों का अनुमान लगाना।
 - ◆ यहां 'साप्ताहिक वर्तमान स्थिति' से आशय है सर्वेक्षण की शुरुआत की तिथि से पहले के अंतिम 7 दिनों की आर्थिक गतिविधियों का पता लगाना।
- ⊕ ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में 'सामान्य स्थिति' (Usual Status) तथा 'साप्ताहिक वर्तमान स्थिति (CWS)', दोनों आधारों पर वार्षिक रूप से रोजगार एवं बेरोजगारी संकेतकों का अनुमान लगाया जाता है।
 - ◆ 'सामान्य स्थिति' से आशय है सर्वेक्षण की शुरुआत से पहले के पिछले 365 दिनों में व्यक्ति की प्रमुख आर्थिक गतिविधियों और सहायक आर्थिक गतिविधियों का पता लगाना।

सर्वेक्षण के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

➤ साप्ताहिक वर्तमान स्थिति (CWS):

- ⊕ श्रम बल भागीदारी दर (LFPR): 2024 में कुल मिलाकर 56.2% पर स्थिर रही।
- ⊕ कामगार-जनसंख्या अनुपात (WPR): यह अनुपात 2023 में 53.4% और 2024 में 53.5% रहा। इस तरह यह लगभग अपरिवर्तित रहा।
- ⊕ बेरोजगारी दर (UR): मामूली गिरावट दर्ज की गई। यह 2023 के 5.0% से कम होकर 2024 में 4.9% रह गई।
 - ◆ घरेलू उद्यमों में अवैतनिक हेल्पर्स की संख्या में कमी आने की वजह से ग्रामीण महिलाओं की कामगार-जनसंख्या अनुपात और श्रम बल भागीदारी दर, दोनों में गिरावट दर्ज की गई है।

➤ प्रधान और सहायक कार्य स्थिति (Principal and Subsidiary Status)

- ⊕ श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) 2023 की 59.8% से घटकर 2024 में 59.6% हो गई।
- ⊕ कामगार-जनसंख्या अनुपात 2023 के 58.0% से घटकर 2024 में 57.7% हो गया।
- ⊕ बेरोजगारी दर 2023 में 3.1% थी, जो 2024 में बढ़कर 3.2% हो गई।

रोजगार और बेरोजगारी के प्रमुख संकेतक

- श्रम बल भागीदारी दर (LFPR): यह कुल आबादी में श्रम बल में शामिल व्यक्तियों का प्रतिशत है। इसमें कार्यरत या काम की तलाश में लगे लोग या काम करने के लिए उपलब्ध लोग शामिल हैं।
- वर्कर-जनसंख्या अनुपात (WPR): WPR को कुल आबादी में नियोजित व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।
- बेरोजगारी दर (UR): इसे श्रम बल में शामिल कुल लोगों में बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन का आधुनिकीकरण (M-CADWM)' योजना को मंजूरी दी

M-CADWM को प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) की एक उप-योजना के रूप में मंजूरी दी गई है। यह योजना 2025-2026 की अवधि में संचालित की जाएगी।

➤ प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) की शुरुआत 2015-16 में की गई थी। इस योजना के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

- ⊕ खेतों तक जल पहुंचाना,
- ⊕ अधिक कृषि क्षेत्र को सिंचित क्षेत्र के तहत लाना, और
- ⊕ खेतों में जल उपयोग दक्षता (Water use efficiency) बढ़ाना।

M-CADWM के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

➤ उद्देश्य: सिंचाई जल आपूर्ति नेटवर्क का आधुनिकीकरण करना, ताकि मौजूदा नहरों या अन्य स्रोतों से सिंचाई जल को नामित क्लस्टर में पहुंचाया जा सके।

➤ प्रणाली: योजना के तहत स्थापित जल स्रोतों से अंडरग्राउंड प्रेसराइज्ड पाइप सिंचाई के माध्यम से किसानों की 1 हेक्टेयर तक की भूमि को सूक्ष्म-सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए मजबूत मूल अवसंरचना का निर्माण किया जाएगा।

➤ प्रौद्योगिकी: जल-उपयोग की निगरानी (वाटर एकाउंटिंग) और जल प्रबंधन के लिए 'सुपरवाइजरी कंट्रोल एंड डेटा एंकिजिशन (SCADA)', इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

➤ योजना के संभावित लाभ:

- ⊕ खेतों की जल उपयोग दक्षता (WUE) में सुधार होगा; कृषि उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि होगी; आदि।
- ⊕ सिंचाई से जुड़ी सुविधाओं के प्रबंधन की जिम्मेदारी जल-उपयोग समितियों (WUS) को सौंपकर संधारणीय कृषि को बढ़ावा मिलेगा।
 - ◆ अगले पांच वर्षों तक जल-उपयोग समितियों को सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा, ताकि वे किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) जैसे आर्थिक संगठनों से जुड़ सकें।
- ⊕ आधुनिक सिंचाई पद्धतियों को अपनाने से युवाओं को कृषि गतिविधियों में आकर्षित किया जा सकेगा।

कमांड क्षेत्र विकास एवं जल प्रबंधन (CAD&WM) कार्यक्रम के बारे में

- शुरुआत: इसे 1974-75 में शुरू किया गया था। वर्ष 2004 में बदलाव लाकर इसे वर्तमान नाम दिया गया।
- उद्देश्य: विकसित सिंचाई सुविधाओं की क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना और सतत रूप से कृषि उत्पादकता एवं उत्पादन में वृद्धि करना।
- इसे 2015-16 से प्रधान-मंत्री कृषि सिंचाई योजना (PMKSY) के 'हर खेत को पानी' घटक के अंतर्गत कार्यान्वित किया जा रहा है।
- इस योजना के निम्नलिखित दो घटक हैं:
 - ⊕ सिंचाई संरचना विकास: खेत में सिंचाई सुविधाओं का विकास; फील्ड, इंटरमीडिएट व लिंक नालियों का निर्माण करना आदि।
 - ⊕ गैर-संरचनात्मक उपाय: पंजीकृत जल उपयोगकर्ता समितियों को एकमुश्त अनुदान देना; जल उपयोग दक्षता पर प्रशिक्षण प्रदान करना; खेतों में इसे वास्तविक रूप में दर्शाना और इसे अपनाने का परीक्षण करना।

केंद्र ने फ्रांस से 26 राफेल मरीन (M) लड़ाकू विमानों के सौदे को मंजूरी दी

इन लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल भारतीय नौसेना द्वारा किया जाएगा। इन्हें देश के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत INS विक्रान्त पर तैनात किया जाएगा।

➤ पहले से खरीदे गए 36 राफेल जेट विमानों का उपयोग भारतीय वायु सेना द्वारा किया जा रहा है।

राफेल विमान के बारे में

➤ निर्माता: डसॉल्ट एविएशन, एक फ्रांसीसी एयरोस्पेस कंपनी है।

➤ “ओमनीरोल” क्षमताएं: इसका अर्थ है कि एक ही विमान सभी प्रकार के युद्धक मिशनों जैसे- वायु रक्षा, हमला, टोही, परमाणु प्रतिरोध आदि को अंजाम देने में सक्षम है।

➤ पीढ़ी: 4.5 पीढ़ी, अधिकतम गति 1.8 मैक (1 मैक = 1235 किमी/ घंटा)।

संयुक्त राज्य अमेरिका-चीन के छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान

➤ संयुक्त राज्य अमेरिका: अमेरिकी राष्ट्रपति ने F-47 नामक अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान की योजना को आगे बढ़ाने की घोषणा की है।

➤ चीन: दिसंबर 2024 में, चीन ने छठी पीढ़ी के दो प्रोटोटाइप लड़ाकू विमानों (J-36 और J-50) की उड़ान का सफल परीक्षण किया था।

➤ छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एकीकरण, हाइपरसोनिक क्षमताओं, मानव रहित क्षमताओं से लैस हैं।

अलग-अलग नवीनतम पीढ़ी के विमान	विशेषताएं	उदाहरण
 चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान (1970-1980 के दशक)	हवा-से-हवा और हवा-से-जमीन दोनों तरह की मारक क्षमता से युक्त थे।	मिग-29, एफ-16, मिराज-2000 आदि।
 4.5 पीढ़ी के लड़ाकू विमान	चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की सीमा बढ़ाने के लिए इनमें 'स्टीलथ', रडार अवशोषक सामग्री, थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रित इंजन आदि शामिल किए गए।	यूरोफाइटर टाइफून, राफेल आदि।
 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान	उन्नत स्टीलथ प्रौद्योगिकियां और उन्नत हथियार	F-22 रैप्टर, चेंगदू जे-20 आदि।

NHRC ने कैदियों के सामने आने वाली कठिनाइयों का स्वतः संज्ञान लिया

इस मुद्दे का संज्ञान लेते हुए, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को नोटिस जारी किया। इस नोटिस में जेलों में कैदियों की अत्यधिक संख्या, बुनियादी सुविधाओं की कमी और स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

➤ भारतीय संविधान की अनुसूची VII के अंतर्गत, जेलों सूची-II के अंतर्गत राज्य सूची का विषय है। इसलिए, ये राज्यों के विधायी और प्रशासनिक क्षेत्राधिकार में आती हैं।

कैदियों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयां

➤ जेलों में जेलों की क्षमता से अधिक कैदी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव: भारतीय जेलों में उनकी क्षमता से अधिक लगभग 131.4% कैदी हैं।

⊕ 2022 तक के आंकड़ों के अनुसार भारत की जेलों में 75.8% विचाराधीन मामलों से संबंधित कैदी हैं।

⊕ 40% से भी कम जेलों में सैनटरी नैपकिन उपलब्ध हैं; केवल 18% जेलों में ही महिलाओं के लिए विशेष सुविधाएं हैं।

➤ महिला कैदी

⊕ सम्मान और सुरक्षा के अधिकारों के उल्लंघन, हिंसा में वृद्धि आदि से मानसिक तनाव उत्पन्न होता है।

⊕ महिला कैदियों के अधिकार: राज्य जेल मैनुअल में महिला कैदियों के लिए राइट टू रीप्रोडक्टिविटी का स्पष्ट प्रावधान नहीं है।

➤ मृत्युदंड की सजा वाले कैदी: मृत्युदंड की कार्यवाही में अत्यधिक देरी देखने को मिलती है। NCRB के आंकड़ों के अनुसार 2006 से 2022 की अवधि में इसकी निष्पादन दर मात्र 0.3% थी।

➤ भेदभाव: इसमें जाति के आधार पर जेल कार्य का विभाजन; जेलों के अंदर हाथ से मैला उठाने की प्रथा; सामाजिक स्थिति के आधार पर कैदियों का वर्गीकरण, आदि शामिल हैं।

कैदियों के लिए मौजूदा प्रावधान

भारत में

➤ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 की धारा 479: यदि किसी आरोपी व्यक्ति ने जांच या सुनवाई के दौरान उस अपराध के लिए कारावास की अधिकतम अवधि का आधा हिस्सा हिरासत में बिता लिया है, तो उसे न्यायालय द्वारा जमानत पर रिहा कर दिया जाएगा।

➤ BNSS में प्ली बर्गेनिंग (धारा 289 से 300): यह आरोपी और अभियोजन पक्ष के बीच सुनवाई से पहले बातचीत को संभव बनाती है।

वैश्विक स्तर पर

➤ बैंकॉक नियम: इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2010 में अपनाया गया था। इसमें महिला कैदियों के उपचार और महिला अपराधियों के लिए गैर-हिरासत उपायों से संबंधित नियम प्रदान किए गए हैं।

➤ नेल्सन मंडेला नियम: इसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2015 में अपनाया गया था। इसमें कैदियों के उपचार के लिए न्यूनतम मानक नियम प्रदान किए गए हैं।

जापान ने मात्र 6 घंटे में 3D-प्रिंटेड ट्रेन स्टेशन बनाया

जापान में एक प्रमुख रेलवे ऑपरेटर, वेस्ट जापान रेलवे कंपनी ने एरिडा शहर में एक 3D-प्रिंटेड ट्रेन स्टेशन का अनावरण किया है। इसके बारे में यह दावा किया जा रहा है कि यह दुनिया का अपनी तरह का पहला स्टेशन है।

3D प्रिंटिंग के बारे में

- परिभाषा: 3D प्रिंटिंग या एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें डिजिटल फाइल से तीन-आयामी (3D) ऑब्जेक्ट्स बनाए जाते हैं।
- प्रक्रिया: एडिटिव प्रक्रियाओं का उपयोग करके 3D-प्रिंटेड ऑब्जेक्ट्स बनाए जाते हैं। एडिटिव प्रक्रिया में इच्छित ऑब्जेक्ट के बनने तक लगातार सामग्री की परतें बिछाकर ऑब्जेक्ट तैयार किया जाता है।
- भिन्नता: 3D प्रिंटिंग सबट्रैक्टिव मैन्युफैक्चरिंग के विपरीत है। सबट्रैक्टिव मैन्युफैक्चरिंग में मिलिंग मशीन से सामग्री के ब्लॉक को काटना/ खोखला करना शामिल है।

3D प्रिंटिंग के लाभ

- तुरंत डिजाइन को साकार करना: जैसे ही डिजाइन तैयार होता है, उसे 3D प्रिंटिंग से तुरंत वास्तविक रूप दिया जा सकता है।
- कार्यबल पर कम निर्भरता: यह खासतौर पर जापान जैसे देशों के लिए उपयोगी है, जहां कामगारों की संख्या घट रही है।
- मांग पर अनुकूलन: इसकी मदद से मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया बदले बिना ही तेजी से बदलाव किए जा सकते हैं।
- लागत प्रभावी: सामग्री लागत में कमी होती है; श्रम और परिचालन दक्षता बढ़ती है; इन्वेंट्री एवं वेयरहाउसिंग लागत में बचत होती है आदि।
- अधिक डिजाइन स्वतंत्रता: जटिल ज्यामितीय और जालीनुमा डिजाइन तैयार किए जा सकते हैं।
- अन्य: पर्यावरण के अनुकूल और संचारणीय, ऑन-डिमांड एवं ऑन-लोकेशन उत्पादन संभव, बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पाद बनाने में सक्षम आदि।

3D प्रिंटिंग के उपयोग

- विनिर्माण: उपभोक्ता उत्पाद (जैसे आईवियर), औद्योगिक उत्पाद (विनिर्माण उपकरण, प्रोटोटाइप, आदि)।
- उन्नत स्वास्थ्य सेवा: कस्टम प्रोस्थेटिक्स, बायोप्रिंटिंग के ज़रिए कृत्रिम अंगों का निर्माण जैसे "ऑर्गन-ऑन-चिप" आदि।
- निर्माण: भवनों के आर्किटेक्चरल मॉडल्स, तेजी से निर्माण, अधिक सटीक काम आदि।
- ऐतिहासिक अध्ययन: जीवाश्मों के पुनर्निर्माण व प्राचीन कलाकृतियों की प्रतिकृति बनाने में सहायता आदि।
- फोरेंसिक: फोरेंसिक पैथोलॉजी में सबूतों का पुनर्निर्माण।

RBI की मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक आयोजित हुई

मौद्रिक नीति समिति (MPC) में छह सदस्य होते हैं। इनमें से तीन सदस्य RBI से तथा तीन सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं।

मौद्रिक नीति समिति (MPC) की बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णय

- नीतिगत रुख: MPC ने नीतिगत रेपो दर को 25 आधार अंकों तक कम करने का निर्णय लिया। इससे रेपो दर तत्काल प्रभाव से 6% तक हो गई है।
- रेपो दर वह दर है, जिस पर RBI वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है। साथ ही, इस दर में कटौती का उद्देश्य ऋण और निवेश को बढ़ावा देना भी है।
- इस निर्णय के साथ RBI ने अपने रुख को "न्यूट्रल" से बदलकर "अकोमोडेटिव" कर दिया है।
 - अकोमोडेटिव रुख का अर्थ है कि RBI अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति बढ़ाने के लिए नीतिगत दरों में कटौती कर सकता है।
- यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है, जब वर्तमान में ट्रेड टैरिफ संबंधी तनाव के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता बढ़ गई है। इससे दुनिया भर के वित्तीय बाजार प्रभावित हुए हैं।
- को-लेंडिंग अरेंजमेंट्स (CLA) फ्रेमवर्क: RBI ने सभी विनियमित संस्थाओं के बीच सभी प्रकार के ऋणों, प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋण या अन्य के लिए को-लेंडिंग अरेंजमेंट्स (CLA) का मसौदा फ्रेमवर्क प्रस्तुत किया है।
 - वर्तमान में यह केवल प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को ऋणों के लिए बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के बीच है।
- UPI सीमा: भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) को बैंकों और संबंधित हितधारकों के परामर्श से यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) पर्सन टू मर्चेन्ट लेन-देन के लिए लेन-देन संबंधी सीमा निर्धारित करने का अधिकार दिया जाएगा।
- नवाचार को बढ़ावा देना: RBI अपने रेग्युलेटरी सैंडबॉक्स फ्रेमवर्क को थीम-न्यूट्रल और 'ऑन-टैप' बनाएगा।

अन्य सुर्खियां



भारत का रजिस्ट्रार जनरल

भारत के रजिस्ट्रार जनरल ने जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं की सूचना देने में देरी को लेकर अस्पतालों को सचेत किया।

भारत के रजिस्ट्रार जनरल (RGI) के बारे में

- इसकी स्थापना 1949 में हुई थी और यह केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- जिम्मेदारियां:
 - आवासन एवं जनसंख्या की गणना: जनगणना अधिनियम, 1948 के अंतर्गत।
 - नागरिक पंजीकरण प्रणाली (CRS): जन्म और मृत्यु पंजीकरण (RBD) अधिनियम (1969) के तहत जन्म एवं मृत्यु का अनिवार्य पंजीकरण।
 - सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (SRS): यह जन्म दर, मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर जैसे तथ्यों का महत्वपूर्ण स्रोत है।
 - राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (NPR): इसे नागरिकता अधिनियम, 1955 के अंतर्गत बनाए गए नागरिकता नियम, 2003 में शामिल प्रावधानों के तहत निर्मित किया गया है।
 - मातृभाषा सर्वेक्षण: चयनित मातृभाषाओं की भाषाई विशेषताओं का दस्तावेजीकरण करना।



विज़िंजम (विड़िणम) पत्तन

हाल ही में, दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर जहाजों में से एक, MSC तुर्किये ने विड़िंजम (विड़िणम) अंतर्राष्ट्रीय पत्तन पर डॉक किया है। यह भारत के पहले डीपवाटर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट की राह में एक बड़ी उपलब्धि है।

विड़िंजम (विड़िणम) पत्तन के बारे में

- प्राधिकरण: विड़िंजम (विड़िणम) इंटरनेशनल सीपोर्ट लिमिटेड (VISL), जो केरल सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी है।
- स्थान: तिरुवनंतपुरम।
- प्रकार: प्राकृतिक डीपवाटर मल्टीपर्स सीपोर्ट।
- उद्देश्य: मल्टीपर्स और ब्रेक बल्क कार्गो के अलावा कंटेनर ट्रांसशिपमेंट की सुविधा प्रदान करना।
- परियोजना मॉडल: इसे डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण ("DBFOT") आधार पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) घटक के साथ लैंडलॉर्ड मॉडल के तहत विकसित किया गया है।
- लैंडलॉर्ड मॉडल के तहत, निजी अभिकर्ता परिचालन संबंधी पहलुओं को देखते हैं, जबकि पत्तन प्राधिकरण विनियामक और लैंडलॉर्ड के रूप में कार्य करता है।



मालाबार ग्रे हॉर्नबिल

केरल के शोधकर्ताओं को मालाबार ग्रे हॉर्नबिल के संरक्षण पर उनके प्रोजेक्ट के लिए कंजर्वेशन लीडरशिप प्रोग्राम (CLP) द्वारा फ्यूचर कंजर्वेशन स्ट्रैटेजी से सम्मानित किया गया।

- CLP फौना एंड फ्लोरा इंटरनेशनल, बर्डलाइफ इंटरनेशनल और वाइल्डलाइफ कंजर्वेशन सोसाइटी की साझेदारी है।
- यह पुरस्कार ऐसे होनहार युवा संरक्षणवादियों को समर्थन देता है, जिनके पास पांच साल से कम का पेशेवर अनुभव है। साथ ही, उन्हें प्रभावी परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए वित्तीय सहायता एवं व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी प्रदान करता है।

मालाबार ग्रे हॉर्नबिल के बारे में

- भारत के पश्चिमी घाट में पाई जाने वाली एक स्थानिक प्रजाति है।
- यह समुद्र तट के निकट औसत समुद्र तल से लगभग 50 मीटर की ऊंचाई पर पाया जाता है।
- IUCN स्थिति: वल्नरेबल।



मेसोस्केल कन्वेक्टिव सिस्टम

मेसोस्केल कन्वेक्टिव सिस्टम (MCS) पर केंद्रित अध्ययन में पाया गया कि मृदा की नमी तीव्र तूफानों का पूर्वानुमान लगाने में मदद कर सकती है।

मेसोस्केल कन्वेक्टिव सिस्टम (MCS) के बारे में

- यह तड़ितझड़कों (Thunderstorms) का एक समूह है, जो एक प्रणाली के रूप में कार्य करता है। MCS पूरे राज्य में फैल सकता है और 12 घंटे से अधिक समय तक सक्रिय रह सकता है।
- इनके कारण प्रायः तीव्र वर्षा होती है। इससे जीवन, पशुधन और अवसंरचना को व्यापक क्षति होती है।
- MCS के हॉटस्पॉट: पश्चिमी और मध्य अफ्रीका, उत्तरी भारत, अर्जेंटीना, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के ग्रेट प्लेन्स।



अरावली पर्वतमाला

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (NGT) ने हरियाणा को निर्देश दिया कि वह अरावली पर्वतमाला में अवैध खनन पर रोक लगाए।

अरावली पर्वतमाला के बारे में

- प्रकार: यह विश्व के सबसे पुराने मोड़दार पर्वतों में से एक है।
- विस्तार: यह दक्षिण-पश्चिम दिशा में लगभग 670 किमी तक फैली हुई है, जो दिल्ली के पास से शुरू होकर दक्षिणी हरियाणा और राजस्थान से गुजरती है तथा गुजरात में समाप्त होती है।
- सबसे ऊंची चोटी: गुरु शिखर 1,722 मीटर ऊंची।
- नदियां: बनास, साहिबी और लूनी अरावली से बहती हैं।
- खनिज: तांबा, जस्ता, सीसा, संगमरमर, आदि।



मंडोवी नदी

मालिम में मंडोवी नदी पर जेट्टी विकसित करने के लिए हाल ही में लॉन्च किए गए डिजिटल पोर्टल के माध्यम से पहला 'अनापत्ति प्रमाण-पत्र' जारी किया गया।

मंडोवी नदी के बारे में

- मंडोवी नदी, जिसे महादयी या म्हादेई भी कहा जाता है, गोवा राज्य की जीवनरेखा मानी जाती है।
- यह नदी जुआरी नदी के साथ मिलकर अरब सागर में गिरती है और मोरमुगाओ हार्बर का निर्माण करती है।
- इसका उद्गम कर्नाटक के बेलगावी जिले के पश्चिमी घाट में भीमगढ़ नामक स्थान पर 30 झरनों के समूह से होता है।
- जलप्रपात: दूधसागर और वरपोहा।
- महत्वपूर्ण सहायक नदी: मापुसा नदी।



जेवॉन्स पैराडॉक्स

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट के CEO ने वैश्विक स्तर पर AI सिस्टम के बढ़ते उपयोग के संदर्भ में 'जेवॉन्स पैराडॉक्स' का जिक्र किया।

जेवॉन्स पैराडॉक्स (विरोधाभास) के बारे में

- इस विरोधाभास के अनुसार जो तकनीकी प्रगति किसी संसाधन के उपयोग को अधिक किफायती या अधिक दक्ष बनाती है, तो अक्सर वह उस संसाधन की मांग में वृद्धि का कारण बनती है।
- पृष्ठभूमि: इसका विचार पहली बार विलियम स्टेनली जेवॉन्स ने 1865 में दिया था। उन्होंने कहा था कि यदि स्टीम इंजन अधिक कुशल हो जाएंगे, तो ब्रिटिश फैक्ट्रियों में कोयले की खपत घटेगी नहीं, बल्कि और बढ़ेगी, क्योंकि कोयले का उपयोग अधिक सस्ता एवं आकर्षक हो जाएगा।
- AI के संदर्भ में, जैसे-जैसे AI प्रणालियां अधिक शक्तिशाली और सुलभ होती जाएंगी, यह संभावना है कि उनका उपयोग काफी बढ़ जाएगा।



अल्फाल्फा

जेनेटिक इंजीनियरिंग अनुमोदन समिति (GEAC) ने संयुक्त राज्य अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित अल्फाल्फा घास के आयात को मंजूरी प्रदान की।

- हालांकि, इसके लिए भारत के कृषि मंत्रालय से अंतिम मंजूरी मिलना अभी बाकी है।
- अमेरिका ने इस मुद्दे को व्यापार वार्ताओं के दौरान चिंता के रूप में उठाया है।

अल्फाल्फा के बारे में

- यह फली कुल का एक हिस्सा है, लेकिन इसे एक जड़ी बूटी भी माना जाता है।
- इसका मूल स्थान दक्षिण और मध्य एशिया माना जाता है, लेकिन इसे कई सदियों से दुनिया भर में उगाया जा रहा है।
- इसका उपयोग पशुओं के चारे के रूप में तथा मानव औषधीय जड़ी-बूटी के रूप में भी लंबे समय से किया जा रहा है।



जात्रा उत्सव

लिपुरा में 'जात्रा उत्सव' का आयोजन किया जाएगा।

जात्रा के बारे में

- यह पश्चिम बंगाल और ओडिशा का एक लोकप्रिय लोक रंगमंच है।
- इसकी शुरुआत 16वीं शताब्दी में वैष्णववाद और भक्ति आंदोलन के उदय से मानी जा सकती है, जिनके प्रमुख प्रवर्तक श्री चैतन्य महाप्रभु थे।
- यह एक मिश्रित रंगमंचीय कला है। इसमें नृत्य, संगीत, अभिनय, संवाद प्रस्तुति आदि शामिल हैं।
- जात्रा में पौराणिक कथाओं, लौकिक विषयों, हास्य, वीर पुरुषों की वीरता और अतिनाटकीय घटनाओं या भावुकतापूर्ण और सनसनीखेज घटनाओं पर आधारित अलग-अलग कहानियां दिखाई जाती हैं।

